

प्रेषक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्श,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल।

न्याय विभाग :

देहरादून, दिनांक 28 अगस्त, 2008

विषय :

कु0 सुषमा जोशी, अधिवक्ता को आन्तराधिक मामलों के संचालन हेतु नामिका वकील के रूप में आवद्ध किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-609/20-न्या0स0/2008, दिनांक 14.02.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला नैनीताल में मजिस्ट्रेट न्यायालयों के सम्बन्ध फौजदारी यादों के संचालन हेतु शासन द्वारा सम्बन्ध विचारोपरान्त कु0 सुषमा जोशी, अधिवक्ता को शासनादेश संख्या-43-एक(1)/न्याय अनुभाग/2003, दिनांक 26-2-2003 द्वारा नामिका वकील हेतु निर्धारित फीस की दरों पर नामिका वकील के रूप में आवद्धन-पत्र में उल्लिखित शर्तों के अधीन दिनांक 01-09-2008 से एक वर्ष की अवधि के लिए आवद्ध किया जाता है। उनका आवद्धन पत्र एतद् संलग्न है।

2- अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया सम्बन्धित अधिवक्ता का आवद्धन-पत्र उन्हें तुरन्त उपलब्ध कराते हुए उनसे लिखित सहमति, आवु का प्रमाण पत्र, अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि तथा उनके आवद्धन का विवरण प्राप्त कर शासन को यथाशीघ्र भेजने का कष्ट करें।

3- कु0 सुषमा जोशी यदि इस समय समय-आवृत्त, नोटरी या इस प्रकार के अन्य किसी शासकीय पद अथवा सम्बन्ध पद पर कार्यरत हो, तो उनसे उक्त पद से त्याग पत्र प्राप्त कर लिया जाय तथा इसकी सूचना शासन को भी दी जाय।

4- मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आवद्ध अधिवक्ता लिखित सहमति तथा अपेक्षित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दे तो आप मजिस्ट्रेट न्यायालय में फौजदारी यादों का संचालन नामिका वकील के रूप में उक्त अधिवक्ता से प्रारम्भ करा दें।

संलग्नक : यथोपरि

भवदीया,

(श्रीमती इन्दिरा आशीष)
सचिव

संख्या : यू0ओ0 773 /XXXVI(1)/06, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 2- जिला न्यायाधीश, नैनीताल।
- 3- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 4- सम्बन्धित अधिवक्ता।
- ✓ 5- एन.आई.सी./गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(अलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव

प्रेषक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

कु0 सुषमा जोशी,
एडवोकेट,
पुत्री स्व0 श्री गरुडध्वज जोशी,
सिविल कोर्ट परिसर,
जिला नैनीताल।

न्याय विभाग :

देहरादून, दिनांक 28 अगस्त, 2006

विषय : आपराधिक मामलों के संवाहन हेतु नामिका वकील के रूप में आवद्ध किया जाना।

महोदय,

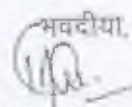
मुझे आपको यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि महामहिम राज्यपाल जिला नैनीताल के मजिस्ट्रेट न्यायालयों के समस्त फौजदारी वादों में सरकार या उसके अधिकारियों की ओर से फौजदारी वादों के संवाहन हेतु शासनादेश संख्या-43-एक(1)/न्याय अनुमान/2003, दिनांक 26 फरवरी, 2003 द्वारा नामिका वकील हेतु निर्धारित खीस की दरों पर आपके नामिका वकील के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए आवद्ध करने की सहमति स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन प्रदान की जाती है कि राज्य सरकार किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के और बिना कोई कारण बताए इस आवद्धता को समाप्त कर सकती है। आप इस आशय का प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी को प्रस्तुत करेंगी कि इस शर्त में आपके कोई आपत्ति नहीं है।

3- अतः मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि यदि आप उक्त नामिका वकील के पद पर कार्य करना चाहें, तो कृपया अपनी लिखित सहमति, आयु का प्रमाण-पत्र तथा अतिवृत्ता पंजीकरण प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि और अपने आवास का विवरण जिलाधिकारी को प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

4- मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आपने इस पत्र की प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर उक्त प्रस्ताव-3 के अनुसार प्रमाण-पत्र, सहमति प्रस्तुत नहीं की, तो इस आवद्धन का प्रस्ताव स्वतः समाप्त माना जायेगा।

5- मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि आपकी सहमति एवं उपरोक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने के दिनांक से आपके आवद्धन की अवधि प्रारम्भ होगी और उसी दिन से नामिका वकील के रूप में कार्य प्रारम्भ करेंगी। आपके कार्यकाल की अवधि अधिकतम दिनांक 31-08-2007 तक रहेगी।

भवदीया,

(श्रीमती इन्दिरा आशीष)
सचिव